इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) के 71वें स्थापना दिवस के अवसर पर भाषण

- सबसे पहले मैं ICAI के 71 वें स्थापना दिवस के विशेष अवसर पर सी.ए. श्री अतुल कुमार गुप्ता जी, उनकी पूरी टीम और ICAI के सम्पूर्ण समुदाय को बधाई देता हूँ।
- ऐसे मौके पर आप सबसे जुड़कर एवं इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर मुझे प्रसन्नता हो रही है।
- इस अवसर पर मैं आपको इसलिए भी बधाई का पात्र मानता हूं क्योंकि आज डाक्टर दिवस भी है और आप इस देश के वित्तीय डाक्टरों के रूप में कार्य करते हैं।
- यह एक उत्तम संयोग है कि चिकित्सीय डाक्टरों की भांति आप लोग हमारी अर्थव्यवस्था के वित्तीय स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं।
- साथियो, ICAI की स्थापना 1 जुलाई, 1949 को हुई थी। चार्टर्ड अकाउंटेंसी के व्यवसाय को बढ़ावा देने और उसे रेगुलेट करने के उद्देश्य से इस संस्था की स्थापना की गई थी। तब से अब तक 71 वर्षों की आपकी यात्रा गौरवशाली रही है। समय के साथ, यह संस्था देश की सर्वोच्च अकाउंटिंग संस्था बन गई है बल्कि यह विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अकाउंटिंग संस्था है जो अपने-आप में एक बड़ी उपलब्धि है।
- वास्तव में, चार्टर्ड एकाउंटेंट राष्ट्र के आर्थिक विकास का आधार होते हैं। आपका क्षेत्र वित्तीय विशेषज्ञता का क्षेत्र है और इसी योग्यता के माध्यम से आप औद्योगिक विकास सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- व्यापक अर्थों में आप देश में कॉरपोरेट शासन प्रणाली को सुदृढ़ बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। आपकी इन्हीं खूबियों के कारण आज चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को बेहद सम्मानजनक भाव से देखा जाता है। इसके लिए मैं आपको पुनः बधाई देता हूं।
- लेकिन इसके साथ ही आपको याद दिलाना चाहता हूं कि जब हमें कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होती है तो वह अपने साथ बड़े दायित्व भी लेकर आती है। वर्ष 2020 हमारे समक्ष नई चुनौतियां लेकर आया है।
- यह साल हमें स्पष्ट संदेश देता है कि हर परिवर्तन और चुनौती में एक अंतर्निर्मित अवसर होता है जिसको समझने और अपने अनुरूप सफल बनाने के लिए ज्ञान केंद्रित दृष्टिकोण, कड़ी मेहनत तथा पेशेवर दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।
- यद्यपि सरकार ने, नए भारत के लिए 'आत्मनिर्भर भारत-समर्थ भारत-सशक्त भारत' का नया स्वप्न देखा है।
- इस दिशा में अर्थव्यवस्था को गतिमान करने के लिए सरकार बीस लाख करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज भी सामने लाई है। मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, Ease of Doing Business और MSME को पुनर्जीवित करने जैसी पहलों के माध्यम से सरकार नए भारत के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है। फिर भी सामान्य आर्थिक विकास के प्रतिमान की राह आसान नहीं

होगी, हालांकि मैं आश्वस्त हूं कि दक्षता, नवाचार और सामूहिक प्रयास से भारतीय अर्थव्यवस्था पुनः अपनी पुरानी ऊंचाईयों को छू लेगी।

- यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम देश को ऊंची विकास दर वाली पंक्ति में लाने के लिए अपनी सहयोग व भागीदारी निभाएं।

- यह साल हमें स्पष्ट संदेश देता है कि हर परिवर्तन और चुनौती में एक अंतर्निर्मित अवसर होता है जिसको समझने और अपने अनुरूप सफल बनाने के लिए ज्ञान केंद्रित दृष्टिकोण, कड़ी मेहनत तथा पेशेवर दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

- अभी अतुल गुप्ता जी ने और अन्य वक्ताओं ने ICAI द्वारा सदस्यों की क्षमता को बढ़ाने तथा नए विद्यार्थियों के ज्ञान में अभिवृद्धि के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

- मैं उन्हें बेहद ध्यान से सुन रहा था। खासकर कि लाकडाउन के दौरान संस्था ने जो वेबिनार आयोजित किए हैं, वह मेरी दृष्टि में सदस्यों की कैपेसिटी बिल्डिंग में सराहनीय प्रयास है।

  - आपको जानकर खुशी होगी कि मेरी बड़ी बेटी भी सीए है तथा विगत कई वर्षों से सक्रिय प्रेक्टिस कर रही है। लॉकडाउन के दौरान हमें भी आपस में संवाद के बहुत सारे अवसर मिले।

- चर्चा के दौरान आप लोगों की चुनौतियों, अवसर, दायित्व आदि विषयों पर विस्तृत विचार विमर्श हुआ। इससे मुझे आपकी जिम्मेदारियों और कठिनाइयों को और अधिक नजदीकी से समझने का अवसर मिला।

- इन तीन महीनों में आपको भी आत्म अवलोकन के लिए पर्याप्त समय मिला होगा। मेरा मानना है कि इस आत्म अवलोकन को केन्द्र में रख कर ही आपकी संस्था ने इस वर्ष की थीम तय की है।

- यह बिल्कुल सही है कि कोरोना ने हमारे सामने नई चुनौती प्रस्तुत की है। लेकिन जैसे कि माननीय प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि हमें चुनौतियों में ही अवसर तलाशने होंगे। यहां आपके पास भी अवसर तलाश कर ट्रांसफॉर्मिंग फ्यूचर की अवधारणा को सिद्ध करने का मौका भी है और यह आपका दायित्व भी है।

- मैं यह समझ पाया कि पिछले तीन महीने यदि आप ICAI के साथ जुड़े रहे हैं तो आपने इस अवधि का बेहतर उपयोग किया है। आपको जीएसटी सहित विभिन्न वित्तीय कानूनों को और अधिक बारीकी से समझने के अवसर मिले।

  - कोविड ने सभी व्यवसायों के सारे नियम बदल दिए हैं। यह आपके व्यवसाय पर भी लागू होता है। जब हम एनेबलिंग एक्सीलेंस की बात करते हैं तो यहां हमें स्वयं में सुधार लाने की एक गुंजाइश महसूस होती है।

- इस सुधार को हासिल करने तथा स्वयं को एक नए प्रकार की चुनौती के लिए तैयार करने के लिए हमें खुद में कई बदलाव लाने होंगे। हमें पुराने सारे नियमों को भूलकर नए नियम बनाने होंगे और उन पर अमल करना होगा।

- कोविड से पूर्व और बाद के हालात में बहुत परिवर्तन हैं। आज से तीन माह पहले मेरी, आपकी, व्यापार और उद्योग जगत की जो योजनाएं थी, उनका वर्तमान में अधिक महत्व नहीं रह गया है। अब हालात नए हैं और परिस्थितियां नई हैं। हमें नए

हालात और परिस्थितियों के अनुकूल ही अपनी नई कार्ययोजना तैयार करनी होगी। बदले हुए हालात में व्यापारिक संगठन और उद्योग स्वयं में जो बदलाव ला रहें हैं, उसके अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा।

- **अब समय बदल चुका है। हमें आईटी की तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग करना सीखना होगा। हमारे कार्यप्रणाली का जितना अधिक ऑटोमाइजेशन होगा, हम कार्य को उतनी ही निपुणता से निष्पादित कर पाएंगे।**

- **आज आपके व्यवसाय में भी कम्प्यूटर कर उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। कोटा में आयकर कार्यालय के बाहर एक बोर्ड में हमेशा देखता हूं जिस पर लिखा है कि कम्प्यूटर सब देख रहा है। यानि आपके वित्तीय लेनदेन की समस्त जानकारी अब कम्प्यूटर में दर्ज हो रही है।**

  - **हम तेजी से डिजिटल इकोनॉमी की ओर बढ़ रहे हैं। मुझे बड़ी खुशी होती है जब मैं देखता हूं कि गली में सब्जी बेचने वाले, फल बेचने वाले, सड़क किनारे खाने-पीने की चीजों के खोमचे लगाने वाले भी अब मोबाइल एप्स से पैसे ले रहे हैं। यह हमारी अर्थव्यवस्था के लिए सुखद संदेश है।**

- जब इतने निचले स्तर पर आईटी का उपयोग हो रहा है तो हमें भी ऐसे प्लेटफार्म पर शिफ्ट होना होगा जो हमारे, हमारे क्लाइंट और देश की अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर है। जब पूरा सिस्टम ऑटोमाइजेशन की ओर जा रहा है तो हम भी स्वयं को इस दिशा में लेकर जाएं।

- आप देखिए ज्ञान और आईटी का उपयोग मिलकर आपके व्यवसाय को पूरी तरह बदलने के लिए तैयार है। हम इस क्रांति का भाग बनेंगे, तब ही एनेबलिंग एक्सीलेंस की अवधारणा को प्राप्त कर सकेंगे।

- अभी तक आपके कार्य की जो प्रेक्टिस होती थी, उसमें क्लाइंट आपके ऑफिस में आता था। आपस में चर्चा के बाद आप उचित सुझाव देते थे या उनका कार्य निष्पादित करते थे।

- लेकिन कोरोना के कारण अब यह स्थिति बदल गई है। अब आप हर क्लाइंट को आपके दफ्तर में नहीं बुला सकते। न ही आप प्रत्येक क्लाइंट के पास ही जा सकते हैं।

- ऐसे में अब आपको अपने क्लाइंट से जुड़े रहने के लिए उसे भी ई-प्लेटफार्म की ओर लाना होगा। आपको वित्तीय सलाह देने के साथ क्लाइंट को ई-प्लेटफार्म के लिए तैयार करने की जिम्मेदारी भी उठानी होगी।

- लॉकडाउन समाप्त होने के बाद सरकार ने अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के लिए कई कदम उठाए हैं। करीब 20 लाख करोड़ के पैकेज में हर वर्ग के लिए कुछ-न-कुछ प्रावधान किए गए हैं। आप वित्त से जुड़े इन मामलों को बेहतर समझते हैं।

- आपको इन पैकेज के प्रावधानों को संबंधित वर्ग को बताते हुए उन्हें इसका लाभ लेने के लिए सहायता प्रदान करने के लिए आगे आना चाहिए। एमएसएमई में तो यह पैकेज जबरदस्त रूप से रोजगार सृजन के अवसर प्रदान करता है।

- मुझे यह बताया गया है कि ICAI अपने 3.1 लाख सदस्यों के एक बड़े समूह के माध्यम से एमएसएमई को नि:शुल्क मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की योजना प्रारंभ करने जा रही है। आपके प्रयास से जब कोई व्यक्ति इस क्षेत्र में नया व्यवसाय प्रारंभ करेगा, तो वह न सिर्फ आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि दूसरे को भी रोजगार देने के काबिल बन पाएगा।

- इसके अतिरिक्त सरकार ने गैर संगठित क्षेत्र के लिए भी अनेक प्रावधान किए हैं। शायद आप भी मेरी इस बात से सहमत होंगे कि छोटे उद्योग बड़े उद्योग की तुलना में तेजी से पनपते हैं।

- यदि आपकी सहायता से छोटे एवं मझौले उद्योगों को फलने-फूलने का अवसर मिलता है तो यह देश की अर्थव्यवस्था को आपका बड़ा सहयोग होगा।

- सरकार ने अभी जीएसटी के पेंडिंग रिर्टन को भरने में भी छूट दी है। आप इन छूटों का लाभ भी अपने क्लाइंट्स को दिला सकते हैं।

- आप क्लाइंट्स के लिए ऑनलाइन सेमिनार आयोजित कर उनको वित्तीय रूप से साक्षर बना सकते हैं। वीडियो बनाकर व्हाट्सएप पर शेयर कर सकते हैं। इससे वे आर्थिक मामलों में जागरूक भी बनेंगे और सजग भी रहेंगे।

- फर्म के लेखे-जोखे के परीक्षक होने के रूप में आपका दायित्व गड़बड़ियों पर रोक लगाना भी है। पूर्व में अनेक ऐसे मामले आए हैं जब शेल कंपनियों के माध्यम से अनेकों प्रकार की वित्तीय गड़बड़ियां की गई हैं। इन पर रोक लगाना भी आपके दायित्वों में हैं। यदि हम समय पर ऐसी चीजों पर रोक लगाते हैं तो यह हमारे विश्वसनीयता में इजाफा करता है।

- **ऐसे ही अनेक प्रयास है, जो आप कर सकते हैं। यह प्रयास आपके प्रति क्लाइंट्स में एक नया विश्वास जागृत करेंगे जो आपकी थीम का तीसरा और मुख्य भाग है यानि विश्वास में अभिवृद्धि।**

- हमने विश्व में सबसे तेजी से उभरने वाली एक अर्थव्यवस्था के रूप में अपना स्थान बनाया है। हमारे देश में निवेश की संभावनाएं ज्यादा हैं। संसाधनों की कोई कमी नहीं है।

- मुझे विश्वास है कि कोविड के बाद के समय में भारत निश्चित रूप से निवेश के लिए एक नए और आकर्षक विकल्प के रूप में उभरेगा और ICAI के विदेश में कार्यरत 35 चैप्टर इस विदेशी निवेश को आकर्षित करने में महती भूमिका अदा करेंगे।

- इसके अतिरिक्त, ICAI देश भर में फैली अपनी 164 शाखाओं और तीन लाख से अधिक सदस्यों के साथ निचले स्तर से आरंभ करते हुए परिवर्तन लाकर राष्ट्र निर्माण में एक सक्रिय भूमिका निभा सकता है।

- आवश्यकता सिर्फ इस बात की है कि देश में आर्थिक गतिविधियों से जुड़े सभी सेक्टर्स आपसी समन्वय से, मिल-जुल कर काम करें और पर्यावरण का ध्यान रखते हुए देश के प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग हो।

- इस प्रकार एक समग्र दृष्टिकोण से ही भारत को आत्म-निर्भर बनाने का सपना पूरा हो सकेगा और हमारा देश विश्व पटल पर एक सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित होगा।

- अपनी बात समाप्त करने से पहले, मैं आईसीएसआई के प्रेजीडेंट, ICAI कोटा ब्रांच की अध्यक्ष रजनी मित्तल जी, सभी पदाधिकारियों, सभी सदस्यों और विद्यार्थियों को ICAI के स्थापना दिवस समारोह के सफल आयोजन की बधाई देता हूं। मैं आपके सभी भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूं। धन्यवाद।